सरोजनी नायडू

//

सरोजिनी नायडू

(13 फरवरी, 1879 - 2 मार्च, 1949)

Drishti IAS

संक्षिप्त परिचय

- एक राजनीतिक कार्यकर्त्ता, नारी अधिकारवादी, कवियत्री
- भारत कोकिला (The Nightingale of India) के रूप में लोकप्रिय

उनकी जयंती (13 फरवरी) को राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है।

भारतीय स्वत्रता आंदोलन में योगदान

- वर्ष 1905 में बंगाल विभाजन के दौरान भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल हुईं।
- वर्ष 1925 में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस की पहली भारतीय महिला अध्यक्ष (इनसे पूर्व वर्ष 1917 में गैर-भारतीय नारीवादी एनी बेसेंट)
- भारतीय-ब्रिटिश सहयोग के लिये गोलमेज़ सम्मेलन (1931) के दूसरे सत्र के लिये गांधी के साथ लंदन गईं, जो कि अनिर्णायक रहा
- नमक सत्याग्रह आंदोलन (1930) की एक प्रमुख नेता; धरासणा सत्याग्रह का नेतृत्व किया
- विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया

अन्य योगदान

- एक प्रसिद्ध कवयित्री: द गोल्डन थ्रेसहोल्ड (1905), द बर्ड ऑफ टाइम (1912), द ब्रोकन विंग (1912), इन द बाज़ार्स ऑफ हैदराबाद (1912)
- महिला अधिकारों का समर्थन: वर्ष 1927 में स्थापित अखिल भारतीय महिला सम्मेलन की सदस्य
- भारत की पहली महिला राज्यपाल: वर्ष 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद उन्हें उत्तर प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया

" We want deeper sincerity of motive, a greater courage in speech and earnestness in action"

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sarojini-naidu-1